

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 18, असीरिया का उदय

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 18 है, असीरिया का उदय।

मैं अनुमान लगाऊंगा क्योंकि मैं 40 वर्षों से पढ़ा रहा हूं, इसलिए मैं आपको विशेष रूप से नहीं बता सकता, लेकिन मेरा अनुमान है कि मैंने इस पाठ्यक्रम को लगभग 75 से 100 बार पढ़ाया है।

वर्षों-वर्षों तक, मैं इसे पतझड़ सेमेस्टर और वसंत सेमेस्टर में पढ़ाऊंगा। मैंने इसे कभी-कभी ग्रीष्मकालीन स्कूल में पढ़ाया है। इसलिए, मैंने पाठ्यक्रम को बहुत कुछ पढ़ाया है।

लेकिन जब भी मैं इसे पढ़ाता हूं, मैं हमेशा थोड़ा शांत हो जाता हूं जब मैं असीरिया के काल के बारे में सोचता हूं क्योंकि वे बहुत क्रूर थे, लेकिन वे बहुत सफल भी थे। और इसलिए, यह उनके पड़ोसियों के लिए एक भयावह समय है। प्राचीन विश्व के कुछ अन्य लोगों की तरह उनसे भी नफरत की जाती थी।

तो, शाही इज़राइल, असीरिया की उपस्थिति के लिए मंच तैयार करना। असीरिया को शक्तिशाली विरोधियों ने हर तरफ से घेर लिया था। इसका जिक्र हमने आपसे किया था।

मूल रूप से, वे मितन्नी के अधीन थे, लेकिन हित्ति राजा सुप्पिलुलियमस के काम के कारण उन्हें मुक्त कर दिया गया था। तो, असीरिया को तब कई प्रभावशाली राजाओं का आशीर्वाद प्राप्त था, जिनमें शाल्मनेसर प्रथम भी शामिल था, जो इस काल का सबसे महान योद्धा था, तुकुल्टी-निनुरता प्रथम, जो, मुझे लगता है, वैसे, वही है जिसके बारे में मैं आपको बता रहा था। चरवाहे का शिलालेख जो बिल्कुल भजन 23 जैसा लगता है। खैर, वह कारकेमिश तक पश्चिम में छापा मारने में कामयाब रहा और बेबीलोन में कासाइट प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।

वह फारस की खाड़ी में प्रवेश करने वाला पहला असीरियन राजा था। सामान्यतया, इस समयावधि में, 13, 1200 और 1100 में, असीरिया अन्य कमजोर शक्तियों की तरह ही मजबूत था। यह याद रखना चाहिए कि जिन घटनाओं को हम देख रहे हैं उनमें सी पीपल्स मूवमेंट कितना महत्वपूर्ण था।

यह सी पीपल्स मूवमेंट था जिसने हित्तियों को नष्ट कर दिया, जिससे अशूरियों को महान बनने का मौका मिला। इंपीरियल असीरिया एक समयावधि है जिसे हम 911 से 612 के रूप में संदर्भित करते हैं। टिग्लथ-पिलेसर प्रथम असीरियन राजा सूची में 87वां राजा था और वह पहला है जिसके बारे में हमें किसी भी लम्बाई के शिलालेख मिले हैं।

वह स्पष्ट रूप से अरामियों का उल्लेख करने वाला पहला असीरियन राजा भी है, लेकिन वह वास्तव में ऐसा राजा नहीं है जिसका प्रभाव यह स्पष्ट करना था कि एक युग आ गया है। टिग्लैथ-

पिलेसर की मृत्यु के बाद, एक या दो शताब्दी तक सत्राटा छाया रहा। लेकिन 911 में, अदद-निरारी ने गद्दी संभाली, और जब हम असीरिया के उत्थान को देखते हैं तो यह कहा जा सकता है कि असीरिया 911 में जाग गया।

उसने उसे उसके शत्रुओं, विशेषकर अरामियों की पकड़ से छुड़ाया, जिन्हें उसने फरात नदी के पार वापस धकेल दिया था। उन्होंने उत्तर में कुर्दिस्तान में भी अभियान चलाया और कासियों से दियाला नदी के उत्तर में भूमि के एक बड़े भूखंड पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया। वह उनके पूर्व और दक्षिण में होगा।

अशूर की शाही शक्ति समाप्त होने में अब लगभग 300 वर्ष लगेंगे, लगभग एक वर्ष। इस तथ्य का प्रमाण कि अदद-निरारी केवल एक राज्य नहीं बल्कि एक साम्राज्य का निर्माण कर रहे थे, यह तथ्य है कि उन्होंने अपने अभियान के मार्गों पर आपूर्ति डंप स्थापित किए। दूसरे शब्दों में, सप्लाई डंप का निर्माण करके, वह साल-दर-साल वापस आने की योजना बना रहा था, और इससे पता चलता है कि उसका इरादा अंततः एक राज्य नहीं बल्कि एक साम्राज्य का निर्माण करना था।

तो, अदद-निरारी वह राजा था जिसके शासनकाल के दौरान इस साम्राज्य की शुरुआत हुई थी। असीरियन साम्राज्य के अध्ययन के लिए ऐतिहासिक डेटा के दो प्रमुख अतिरिक्त-बाइबिल स्रोत हैं। मुझे कहना चाहिए, मुझे संभवतः यह कहना चाहिए था कि दो साहित्यिक उदाहरण हैं।

पहली असीरियन राजा सूची है, जिसकी तीन मुख्य प्रतियां हैं। इसकी शुरुआत एक निश्चित टुडिया से हुई और यह असीरियन इतिहास की पूरी अवधि में कुल मिलाकर 117 सहित 109 राजाओं तक जारी रहा। याद रखें हमने आपसे कुछ टेपों में वंशावली के महत्व के बारे में पहले बात की थी? हमें वंशावली पसंद नहीं है, लेकिन प्राचीन दुनिया में वे महत्वपूर्ण थीं।

इसलिए, असीरियन इतिहास को फिर से बनाने में यह हमारे लिए जानकारी का एक प्रमुख स्रोत है। जानकारी का दूसरा स्रोत राजा या उच्च अधिकारियों के लिम्स या उपनामों की सूची है। आम तौर पर, उनके शासनकाल के पहले या दूसरे वर्ष में, वर्ष को एक नाम दिया गया था, और चूंकि हमारे पास एक ग्रहण है जिसे हम अशुरदान के शासनकाल में उल्लिखित कैलेंडर पर सटीक रूप से इंगित कर सकते हैं, हम 15 जून को इंगित करने में सक्षम हैं, 763 कालक्रम में एक निश्चित बिंदु के रूप में।

तो, फिर यह लिम्सू को जोड़ने का एक साधारण मामला बन जाता है। खैर, यह शायद आसान नहीं है, खासकर अगर मुझे यह करना पड़ा, लेकिन सभी को लगातार लिम्सू सूची को जोड़ना होगा, और फिर आपके पास प्राचीन काल का कालक्रम होगा। इसलिए, ये दो साहित्यिक स्रोत हमें असीरियन काल के कालक्रम और कर्मियों को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण थे। निम्नलिखित चार्ट उन राजाओं का प्रतिनिधित्व करेगा जिनसे हम निपटेंगे।

अशुर्नसीरपाल ने अदनान-निरारी का अनुसरण किया, और उसके बाद के राजा, शल्मनेसर, शमशीदाद, अदनान-निरारी III, और इसी तरह, अशर्बनिपाल तक आए। अशर्बनिपाल अंतिम राजा था जिसके बारे में कहा जा सकता है कि उसने एकजुट असीरिया पर शासन किया था। तो,

जैसा कि आप देख सकते हैं, असीरिया के पास तीन सदियों से चली आ रही शक्ति का एक बड़ा दौर है।

अशरबनिपाल के बाद के अंतिम चार राजा कुछ हद तक महत्वहीन हैं और उन्होंने एकजुट असीरिया पर शासन नहीं किया। तो यह सब कहने के बाद, हम असीरियन इतिहास की अवधि में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। अशुर्नसिरपाल पूरे उत्तरी मेसोपोटामिया में आक्रामक सैन्य अभियान शुरू करके साम्राज्य के लिए वास्तविक प्रेरणा प्रदान करता है।

उसने भूमध्य सागर तक पश्चिम की ओर मार्च किया और टाइग्रिस से माउंट लेबनान तक पूरे क्षेत्र और उत्तर में उरारतु राज्य तक महान सागर पर विजय प्राप्त करने का दावा किया। तो आइए देखें कि क्या हम इसे खींच सकते हैं और देख सकते हैं कि क्या हमारे पास है... तो यह रंग, मैं इसे सैल्मन कहना चाहूंगा, इस सैल्मन रंग में अशुर्नसिरपाल के विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए यदि आप मेरी कलम का अनुसरण कर सकते हैं, तो जिस रंग को हम देख रहे हैं, जिसे अशुर्नसिरपाल ने जोड़ा था, वह यहीं का क्षेत्र है।

यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त था, और इसलिए अशुर्नसिरपाल ने हमें निम्नलिखित राजाओं का लगभग अंतहीन उत्तराधिकार प्रदान किया, जिनमें से सभी साम्राज्य का विस्तार करते रहे। उन्होंने टाइग्रिस के पूर्व की ओर कलाक, आधुनिक निमरुद में एक नई राजधानी बनाई, जिसका संरक्षक देवता निनुरता था। यह महल छह एकड़ में फैला हुआ है।

और यदि आपको पहले याद हो, तो हमने मारी के महल के बारे में बात की थी, जो लगभग तीन गुना बड़ा है। तो, छह एकड़ का महल आपको बताता है कि चीजें पहले से कहीं ज्यादा बड़ी हैं। यह असीरियन शाही आवासों में सबसे अच्छा संरक्षित है।

उन्होंने 10 दिनों तक 70,000 लोगों का मनोरंजन करते हुए भोज का आयोजन किया। तो वहां मौजूद जीवनी संबंधी सभी छोटी-छोटी बातें हमें यह याद दिलाने के लिए बनाई गई हैं कि चीजें अब पहले की तुलना में अलग हैं। यह सबसे भव्य पैमाने पर राजशाही है।

एक महल इतना बड़ा है कि वह छह एकड़ में फैला है। एक भोज इतना बड़ा होता है कि इसमें 70,000 मेहमानों को खाना खिलाया जाता है। यह हमें बताता है कि असीरिया ने एक शाही और शाही गुणवत्ता में प्रवेश किया है जो दुनिया के लिए अद्वितीय होने जा रहा है, और यह सब अद्वितीय नहीं है।

किसी भी अन्य असीरियन राजा से अधिक, अशुर्नसिरपाल अपनी असामान्य, यहां तक कि असीरियन मानकों के अनुसार, क्रूरता का दावा करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि उसने आतंक के माध्यम से साम्राज्य पर शासन करने की एक नई नीति का उद्घाटन किया था। मैं आपको इसकी कुछ तस्वीरें दिखा सकता हूं, और वे दर्शाते हैं कि इस प्रकार की कलाएं अशुर्नसिरपाल के काल से हमारे पास आती हैं।

यदि आप इस रजिस्टर को दाईं ओर देखते हैं, तो मैं अपना लेजर पकड़ लूंगा; वे अपने दुश्मनों को या तो आत्मसमर्पण करने के लिए डराने की कोशिश करने के लिए या यदि उन्होंने

आत्मसमर्पण कर दिया है, तो उन्हें डराने के लिए आतंक के कृत्य करते थे ताकि वे कभी विद्रोह न करें। तो, ये व्यक्ति वे लोग हैं जिन पर या तो विजय प्राप्त कर ली गई है या जो अशूरियों के खिलाफ विद्रोह में भाग ले रहे हैं। तो, आप जो देख सकते हैं वह यह है कि यहां इस व्यक्ति को जमीन पर गिरा दिया गया है, और वह सचमुच है, आप जानते हैं, हमारे पास अंग्रेजी में जिंदा चमड़ी उधेड़ने के बारे में एक मुहावरा है।

खैर, उसके साथ यही हो रहा है। उसकी जीवित खाल उतारी जा रही है, और इस व्यक्ति की भी यहाँ खाल उतारी जा रही है। वास्तव में, जैसा कि आप देख सकते हैं, इस व्यक्ति का सिर काट दिया गया है, और वे आतंक द्वारा शासन करने के प्रयास के तहत शहर में अन्य स्थानों पर उपयोग करने के लिए सिर को ले जा रहे हैं।

असीरियन पेशेवर स्तर पर युद्ध करने में सक्षम थे जो कि प्राचीन दुनिया में अब तक देखी गई किसी भी चीज़ से भिन्न था। और इसलिए, इस विशेष ग्राफ़ में, हमारे पास बस असीरियन सैनिकों की एक तस्वीर है, और आप ऐसा कर सकते हैं, असीरियन कला की एक विशेषता यह है कि यह शक्ति की पूजा में लगभग अश्लील है। हमें बताया गया है कि पोर्नोग्राफी वास्तव में सेक्स के बारे में नहीं बल्कि शक्ति के बारे में है।

खैर, आप असीरिया में यही देखते हैं, और इसीलिए लोग कभी-कभी इसे अश्लील साहित्य कहते हैं। यदि आप केवल सैनिकों को देखते हैं और उनके पैरों को देखते हैं, तो विस्तार से ध्यान असीरियन पुरुषों की मांसपेशियों के गुणों को दर्शाता है, आप उनकी भुजाओं को देखते हैं, और आप उन्हें देखते हैं, जोर देते हैं, और निश्चित रूप से, आप पुरुष दाढ़ी को देखते हैं। यह शक्ति की पूजा थी।

यहाँ तक कि घोड़ों को भी मांसल विवरण में चित्रित किया गया है। तो, हम इस बारे में और बात करेंगे। मैं आपको इनमें से एक और दिखाना चाहता था।

जैसा कि आप देख सकते हैं, इसका निचला रजिस्टर है, और यहाँ ऊपरी रजिस्टर है। तो यहाँ निचला रजिस्टर है, और वे यहाँ इन व्यक्तियों के साथ जो कर रहे हैं वह यह है कि वे उनकी जीभ काट रहे हैं, और निश्चित रूप से, उनकी जिंदा खाल भी उतार दी जाएगी। तो, यहां दोनों खातों में जो हो रहा है वह यह है कि वे अपनी जीभ काट रहे हैं।

इस व्यक्ति ने उसे कानों से सुरक्षित कर लिया है ताकि वह विरोध न कर सके। इस व्यक्ति को इस मददगार नौकर द्वारा दबा कर रखा जा रहा है। तो, उनकी कलाकृति में, यह लगभग अंतहीन रूप से चलता रहा।

वे अत्याचार उन सभी अत्याचारों से भिन्न थे जिनके बारे में हम जानते हैं कि वे किसी अन्य शक्ति द्वारा किए गए थे, और वे ऐसे अत्याचार थे जो मानक थे। असीरियन अपने पूरे इतिहास में इस तरह के व्यवहार के बारे में डींगें हाँकेंगे, और इसलिए हम यह कहना चाहेंगे कि, जाहिर तौर पर, यह परपीड़कवाद के लिए क्रूरता नहीं है। यह एक नया राजनीतिक हथियार है।

शासन करने के साधन के रूप में यह क्रूरता है। यदि तुम समर्पण नहीं करोगे तो तुम्हारे साथ यही होगा। यदि तुम हमारे विरुद्ध विद्रोह करोगे तो तुम्हारा यही हाल होगा।

तो यह दुनिया द्वारा उत्पादित किसी भी चीज़ से भिन्न था। यहां अदद-निरारी का एक शिलालेख है जो उस शहर के बारे में बताता है जिसे उसने जीत लिया था। मैंने नगर के फाटक के साम्हने एक खम्भा बनाया।

अब वो जो बात कर रहे हैं वो कुछ इस तरह है। इसलिए यदि आपके पास इस तरह का शहर है, तो जो शहर बड़े शहर थे उनमें कई द्वार होंगे। इसका एक द्वार यहाँ, एक द्वार यहाँ, एक द्वार यहाँ हो सकता है।

और इसलिए, वह जो कह रहा है वह शहर के मुख्य द्वार के बाहर है, मैंने एक स्तंभ बनाया है। अब, यह चिमनी नहीं है। यह एक ऐसा स्तंभ है जिसका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा।

और यह यहाँ मुख्य नगर द्वार के पास स्थित होगा। इसलिए, उन्होंने ईंटों और शायद चूना पत्थर, एक प्रकार के प्लास्टर से इस स्तंभ का निर्माण किया। और फिर उसने जो किया वह हमने वहाँ की कलाकृति में देखा: मैंने उन सभी प्रमुखों की निंदा की जिन्होंने विद्रोह किया था।

प्लायड एक ऐसा शब्द है जिसका हम अक्सर उपयोग नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब है मैंने चमड़ी उतार दी। इसलिये मैंने उन सभी सरदारों की जीवित खाल उतार दी जिन्होंने विद्रोह किया था, और फिर मैंने खम्भे को उनकी खाल से ढँक दिया। यह आपको कुछ ऐसा याद दिलाता है जो नाज़ियों ने किया था।

यदि आपको याद हो, तो कुछ परपीड़क एकाग्रता शिविर कमांडर उन यहूदियों की खाल के लैपशेड बनाते थे जिन्हें उन्होंने मार डाला था। यह हिंसा इतनी चौंकाने वाली है कि समझ पाना मुश्किल है। अतः मैंने खम्भे को उनकी खाल से ढक दिया।

कुछ को मैंने खम्भे के भीतर दीवार में चुनवा दिया। इसलिए जब स्तंभ का निर्माण किया जा रहा था, तो पकड़े गए सैनिकों में से कुछ को जीवित स्तंभ के अंदर रखा जाएगा, जबकि स्तंभ उनके चारों ओर बनाया जा रहा था। और, निःसंदेह, तब वे खंभे के अंदर धीमी मौत मरेंगे।

कुछ को मैंने खम्भे पर खूंटों पर चढ़ा दिया। और इसलिए, आतंक को कट्टरपंथी बनाने के लिए वे जो करेंगे वह यह है कि वे इस तरह के खूँटे बनाएंगे, और फिर व्यक्तियों को खूँटों पर चढ़ा दिया जाएगा। अब, कभी-कभी उन्हें छाती गुहा के माध्यम से सूली पर चढ़ा दिया जाता था क्योंकि इससे उन्हें शरीर गुहा को खंभे पर शरीर को सुरक्षित रखने की भौतिक संपत्ति मिल जाती थी।

लेकिन कभी-कभी, वे व्यक्तियों को मलाशय के माध्यम से सूली पर चढ़ा देते थे और फिर उन्हें पूरे शरीर में घुमा देते थे। और इसलिए, इन स्तंभों का निर्माण किया जाएगा, या इन स्तंभों का निर्माण किया जाएगा, इन स्तंभों को स्तंभ में बनाया जाएगा और व्यक्तियों को उन पर दांव पर लगाया जाएगा, कभी-कभी जीवित। अन्य, मैंने खम्भे के चारों ओर खूँटियाँ बाँध दीं।

वह कहता है कि मैंने उन अधिकारियों, शाही अधिकारियों के हाथ-पैर काट दिये, जिन्होंने विद्रोह किया था। इसलिए, वह उन्हें दंडित करने के लिए कभी-कभी क्या करता था, शायद उनका दाहिना हाथ ही काट देता था, ताकि वे फिर कभी सैनिक न बन सकें। कभी-कभी, शायद, वे अपने सभी अंग काट देते हैं।

उन में से बहुत से बन्धुओं को मैं ने आग में जला डाला। इसलिए, आतंकी अनुभव को बढ़ाने के लिए, मुझे याद है जब आईएसआईएस ने जॉर्डन के एक पायलट के साथ ऐसा किया था जिसे उन्होंने पकड़ लिया था; उसका विमान नीचे गिर गया, और उन्होंने उसका तमाशा बनाया। कुछ विद्वानों ने कहा है कि आईएसआईएस वास्तव में असीरियन अत्याचारों की नकल करता है क्योंकि वे समझते थे कि यह जानबूझकर आतंक के लिए बनाया गया था।

तो, उनके कुछ सैनिकों को आग में जिंदा फेंक दिया जाएगा। मैंने किसी की नाक काट दी, किसी की कान, किसी की अंगुलियाँ। बहुतों की तो मैंने आंखें निकाल लीं।

मैं ने एक खम्भा जीवितों का और दूसरा सिरों का बनाया। अब, जीवित रहना जीवित नहीं है, लेकिन यह एक पुराना अनुवाद है, और मुझे आपको और अधिक अद्यतन अनुवाद देना चाहिए। वह हमें बताता है कि कभी-कभी, शहर के फाटकों के बाहर, वे दो टीले बनाते थे।

एक टीला क्षत-विक्षत शवों का होगा जिसे फिर वे एक-दूसरे के ऊपर ढेर कर देंगे, जिससे मृत शरीरों का एक भयानक टीला बन जाएगा। और इसके बगल में एक और टीला हो सकता है जो उन लोगों के सिरों से बना हो जिनका सिर काट दिया गया था। तो, उसका यही मतलब है जब वह कहता है कि मैं जीवितों का एक खम्भा और उनके सिरों का एक और खम्भा बनाता हूँ।

वह कहता है कि मैंने उनके सिर शहर के चारों ओर पेड़ों के तनों से बाँध दिए। तो, जब आपने पहली बार देखा, तो मैंने आपको दिखाया कि सैनिक कटे हुए सिर को कहाँ ले जा रहा था। यह ऐसा मामला हो सकता है जहाँ वह सिर को शहर के चारों ओर एक माला के रूप में इस्तेमाल करने के लिए ले जा रहा था। तो, इसे पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था कि आप उन सैनिकों के अवशेषों को देखे बिना शहर के अंदर या बाहर नहीं जा सकते थे, जो भयानक अत्याचारों के कारण मारे गए थे, सिर काट दिए गए थे।

और इसलिए, इसे निवासियों के लिए एक स्थायी चित्र बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था कि जब आप अशूरियों के खिलाफ विद्रोह करते हैं तो क्या होता है। उसने कहा कि मैंने उनके नवयुवकों और युवतियों को आग में जला दिया है ताकि यदि तुम विद्रोह करोगे तो इसका अर्थ यह होगा कि संभवतः तुम्हारे कुलीन युवक, विशेष रूप से युवा युवतियों सहित, आग में जिंदा जला दिये जायेंगे। वह हमें बताता है कि उसने 20 लोगों को जीवित पकड़ लिया और फिर उन्हें अपने महल की दीवार में चुनवा दिया।

तो, शहर के अंदर शाही महल रहा होगा, और वह हमें जो बताता है वह यह है कि शहर के अंदर, उसने एक दीवार बनाई थी जिसमें इन 20 लोगों को जिंदा ईंटों से मार दिया जाएगा, और वहाँ वे निर्जलीकरण से मर जायेंगे। तीन दिन के बाद वे संभवतः मर जायेंगे। और फिर अंत में, उनके

बाकी योद्धा, यदि कोई भी युद्ध में बच गया और मैंने ये अन्य अत्याचार नहीं किए, तो उन्होंने कहा कि उनके बाकी योद्धा, मैं बस यूफ्रेट्स के रेगिस्तान में चले गए जब तक कि वे मर नहीं गए।

यह इतना भयावह है कि इसके बारे में सोचना हमेशा निराशाजनक होता है। ऐसा एक बार नहीं बल्कि बार-बार हुआ। दूसरे शब्दों में, यह पढ़ने में जितना भयावह है, वास्तव में यह मानक था।

यदि वे आप पर विजय प्राप्त कर रहे थे और आपने आत्मसमर्पण नहीं किया, तो यही होने वाला था। यदि आप पर विजय प्राप्त कर ली गई और आपने विद्रोह कर दिया, तो यही होगा। पुरातन काल में ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ था।

जब आप हम्मुराबी की संहिता पढ़ते हैं, जो आपको लगभग 1700 ईसा पूर्व की याद होगी, तो हमारे सामने एक हिंसक दुनिया की तस्वीर सामने आती है। यदि आपने शराब की एक बोतल चुरा ली, तो आपको मार दिया गया, आपको फाँसी दे दी गई। तो, यह एक ऐसी दुनिया थी जो समझ से परे हिंसक थी, लेकिन फाँसी दिए जाने और यातना दिए जाने के बीच एक बड़ा अंतर है।

अशूरियों के लिए, यातना उनके साम्राज्य का एक मानक हिस्सा थी। इस तरह उन्होंने शासन किया। इस तथ्य को देखते हुए कि यह साम्राज्य तीन शताब्दियों तक चला, हमें यह तर्क देना होगा कि इसने काम किया।

इससे पहले कि मैं इसे छोड़ूँ, मैं अपने सभी दर्शकों से यही कहूँगा कि अब आपको जोनाह और उसकी कहानी को सहानुभूतिपूर्वक पढ़ने का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक लाभ होगा। यदि आप ऐसी दुनिया में होते जिसमें आपके चारों ओर आपका दुश्मन ऐसा कुछ कर रहा था, और फिर भगवान ने कहा, जाओ उन्हें उपदेश दो, तो आप योना की तरह ठीक हो सकते हैं, बल्कि कह सकते हैं, जैसा कि योना ने कहा था कि मैं इन्हें देखने के बजाय मर जाना पसंद करूँगा लोगों को बख्शा गया। मैं उपदेश देने से परेशान नहीं हूँ, जो योना की अवज्ञा, जोना की नफरत और जोना की आध्यात्मिक कमजोरी को इंगित करता है, लेकिन मुझे इस बात से परेशानी है कि हम बिना किताब का प्रचार करते हैं, या हम किताब पढ़ते हैं, यह समझने के लिए काम किए बिना कि योना ने ऐसा क्यों महसूस किया। अनुभव किया।

इन घटनाओं के बाद जोना मैं आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूँ, योना लगभग डेढ़ सदी बाद एक आदमी होता। तो, योना के समय तक जो हुआ वह सदियों से इस तरह का भयानक व्यवहार और दुर्व्यवहार था। सदियों का आतंक, अत्याचार।

क्या यह योना के लिए कोई बहाना है? नहीं, लेकिन हमें याद दिलाना चाहिए कि हम नफरत करते हैं। हम अपनी दुनिया में योना की तुलना में बहुत कम औचित्य के साथ नफरत करते हैं। और इसलिए यदि हम उस अंतर को बरकरार नहीं रख सकते हैं, तो हम वास्तव में योना के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं।

और क्या मैं आपको सुझाव दे सकता हूँ इससे पहले कि मैं यह विचार छोड़ दूँ कि हम ईश्वर की कृपा के परिमाण के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह ईश्वर की कृपा है जिसने योना के माध्यम से कहा, मैं किसी को भी, कहीं भी माफ कर दूँगा जो पश्चाताप करने को तैयार है। ईसाई

संदेश जितना श्रेय हम देते हैं, उससे कहीं अधिक मौलिक है। ईश्वर की कृपा चरम मामलों में सिर्फ आतंकवादियों को ही नहीं मिलती; भगवान की कृपा हर पापी को मिलती है, हम सभी जैसे पापियों को।

हम सभी ईश्वर की अद्भुत कृपा के प्राप्तकर्ता रहे हैं और हमें ईश्वर को यह बताने का कोई अधिकार नहीं है कि ऐतिहासिक दुनिया में उनकी कृपा कैसे वितरित की जाए। तो, असीरियन ऐसे लोग थे जिनकी हिंसा ने उन्हें विशिष्ट रूप से सफल और विशिष्ट रूप से घृणास्पद बना दिया। मामले का तथ्य यह है कि जब 612 से 605 के वर्षों में असीरिया का पतन हुआ, तो वह कभी पुनर्जीवित नहीं हुआ।

यह गायब हो गया। यह तुरंत गायब हो गया, और यह हमेशा के लिए गायब हो गया। ऐसी घृणा थी जो अशूरियों ने दुनिया भर में प्रेरित की, जिन्हें उनकी अत्यधिक क्रूरता का अनुभव करना पड़ा।

आप देख सकते हैं कि असीरिया के उदय के कारणों के बारे में मैंने पहले जो बात कही थी, उससे मेरा क्या मतलब है। ऐसा प्रतीत होता है कि अशूरियों ने सोचा था कि यह क्रूरता उनके देवताओं को प्रसन्न कर रही थी। इससे हम अपनी चर्चा में आगे बढ़ सकते हैं।

साम्राज्य की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम, और साम्राज्य से मेरा तात्पर्य असीरिया से परे शासन करना है, वह यह है कि जैसे अदद-निरारी ने आपूर्ति डंप बनाए, उन्होंने मूल आपूर्ति डंप को मजबूत किया और फिर वार्षिक श्रद्धांजलि इकट्ठा करने के लिए उन्हें राज्यपालों के साथ नियुक्त किया। यह एक बार फिर सामान्य ज्ञान का मुद्दा है, लेकिन यह इस बात को स्पष्ट करता है कि असीरियन साम्राज्य विकसित हुआ। सबसे पहले, आपूर्ति डंप थी।

फिर, सप्लाई डंप को दीवारों के अंदर रख दिया गया। तब राज्यपालों ने आपूर्ति डंप पर शासन किया, और फिर वे राज्यपाल कर एजेंट बन गए, और इस प्रकार, हमारी आंखों के ठीक सामने एक साम्राज्य बन रहा है। यहां हमारे पास असीरियन युद्ध रथ और उसके साथ धनुर्धारियों का एक उदाहरण है।

यह एक प्रकार की उपयोगी छोटी तस्वीर है क्योंकि आप देख सकते हैं, सबसे पहले, मैं आपको इंगित कर सकता हूं, लगभग देखो-यह लगभग प्रभावी है। आप यहाँ दिखाई देने वाली शक्तिशाली पैर की मांसपेशियाँ देखते हैं। और यदि हमें इसका आभास होता, तो आप मांसपेशियों में शक्ति पर उसी प्रकार का जोर देख सकते थे जो घोड़ों में होता है।

लेकिन साथ ही, आप देख सकते हैं कि असीरियन हेलमेट कैसा दिखता था। आप देख सकते हैं कि असीरियन योद्धाओं को फर्श-लंबाई वाली पोशाक जैसी वस्तुएं पहनाई जा सकती थीं। आप देख सकते हैं कि कुछ सैनिक छोटे कपड़ों में थे क्योंकि उन्हें अधिक गतिशीलता की आवश्यकता थी।

आप तीर चलाते असीरियन सैनिकों की तस्वीर भी देख सकते हैं। तो, हमारे पास असीरियन युद्ध मशीन को दर्शाने वाली एक बहुत ही दिलचस्प तस्वीर है। नीचे दिए गए रजिस्टर में, हमारे पास कुछ दिलचस्प आंकड़े हैं।

वे मूल्यवान हैं क्योंकि उनकी तस्वीर ऊपर की तुलना में अधिक स्पष्ट है। लेकिन जैसा कि आप देख सकते हैं, ये व्यक्ति, हमारी नज़र में दिलचस्प हैं क्योंकि उनके पास दाढ़ी नहीं है। जैसा कि आप देख सकते हैं, वे स्पष्ट रूप से संपन्न हैं।

उनके पास लंबी बालियां हैं जो उनकी संपत्ति को दर्शाती हैं। वे संपन्न हैं। वे अच्छे कपड़े पहने हुए हैं।

उनके वस्त्र कढ़ाईदार होते हैं, जो धन का प्रतीक है। उनके पास कढ़ाई वाले कपड़े हैं, इसलिए वे स्पष्ट रूप से अमीर हैं।

वे किन्नर हैं। यह असीरियन अदालत के अधिकारियों की तस्वीर है, और हम बता सकते हैं कि ये बधिया किये गये पुरुष हैं। मैं जानता हूँ कि उनके बाल लंबे हैं, लेकिन वे पुरुष हैं।

आप देख सकते हैं कि वे किन्नर हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी नहीं है। उन्हें बधिया कर दिया गया है, इसलिए वे दाढ़ी नहीं बढ़ा सकते।

तो ये हैं किन्नर दरबारी। किन्नरों द्वारा शासन करने की यह घटना प्राचीन काल में एक आम बात थी। इससे पहले कि मैं इसे छोड़ूं, मैं बस एक छोटी सी टिप्पणी करना चाहूंगा क्योंकि मैं और मेरी पत्नी एक बहुत ही रूढ़िवादी बाइबल कॉलेज में गए थे, और हमें हमेशा सिखाया जाता था कि पुरुषों को कभी भी महिलाओं की तरह कपड़े नहीं पहनने चाहिए और महिलाओं को कभी भी पुरुषों की तरह कपड़े नहीं पहनने चाहिए।

और इसे बाइबल के समय में कहें तो, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, पुरुषों के बाल लंबे होते थे। उन्होंने आभूषण पहने थे। उन्होंने पोशाकें पहनीं।

तो, यह अवधारणा कि पुरुषों को पतलून पहननी चाहिए और महिलाओं को पोशाक पहननी चाहिए क्योंकि वे उचित पुरुष-महिला पोशाक हैं, यह एक आधुनिक आविष्कार है। यह एक आधुनिक चीज़ है। प्राचीन दुनिया में, पुरुषों और महिलाओं के पास पतलून नहीं थे।

उन्होंने पोशाकें पहनीं। अब निश्चित रूप से, उन पर अलग-अलग तरीकों से कढ़ाई की गई होगी, लेकिन यह एक अद्भुत तस्वीर है जो हमें यह देखने में मदद करेगी कि पुरुष कैसे दिखते थे बनाम महिलाएं कैसे दिखती थीं। इसलिए उनका पहनावा एक जैसा था।

हम अदद-निरारी का शासन छोड़ देते हैं, या क्षमा करें, अशुर्नसीरपाल, और हम शल्मनेसर जाते हैं। शल्मनेसर, जिसने 858 से 824 तक शासन किया, वह भी अत्यंत सैन्यवादी था। आइए देखें कि क्या हमारे चार्ट का यहां कोई विस्तार है।

तो यहाँ शाल्मनेसर का विस्तार है। जैसा कि आप देख सकते हैं, शल्मनेसर का विस्तार पश्चिम की ओर था, और यह पीले रंग में है। और जैसा कि आप देख सकते हैं, और यह महत्वपूर्ण जानकारी है क्योंकि थोड़े समय में मैं यह सब राजा अहाब से जोड़ूंगा।

जैसा कि आप देख सकते हैं, यदि यह सौर है, तो शल्मनेसेर के सैन्य कारनामे उसे उत्तरी साम्राज्य के कगार तक ले जाते हैं। इसलिए, बहुत ही कम समय में, अशशूरियों ने उपजाऊ वर्धमान पर पूरी तरह से कब्ज़ा करने के रास्ते में सभी तरह से अच्छी तरह से प्रवेश किया है। इसलिए, यदि आप इस्राएल और यहूदा के राजा हैं, तो आप इसे देखें और अपने आप से कहें, यदि हमने उन्हें नहीं रोका, तो वे यहां तक शासन करेंगे और हम पर अशशूर का नियंत्रण होगा।

वस्तुतः ऐसा भाग्य जो मृत्यु से भी बदतर हो सकता है। इसलिए शल्मनेसेर असीरियन शक्ति को पश्चिम और दक्षिण की ओर ले जा रहा है। उसने लगातार पश्चिम की ओर दबाव डालने का प्रयास किया।

858 में तिल-तुबा की लड़ाई में, वह सामल, हट्टिना, कार्केमिश और बिट अदिनी के उत्तरी सीरियाई संघ से मिले और हार गए। विशिष्ट दृढ़ता के साथ, उसने हमला करना जारी रखा और अंततः महान अरामी शहर-राज्य, बिट अदिनी को अपने अधीन कर लिया। बिट एडिनी का पतन इतना प्रभावशाली था कि इसका उल्लेख बाइबिल पाठ में तीन अलग-अलग स्थानों पर किया गया है।

तो, इसका मतलब यह है कि मुझे आपको उस क्षेत्र के बारे में दिखाना होगा जिसे वह जीत रहा था। तो, आप यहाँ ऊपर का क्षेत्र देख सकते हैं। यहाँ इसे बेथ ईडन लिखा गया है।

ईडन के साथ एक समस्या यह है कि यह हमें ईडन गार्डन के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। बिट एडिनी का घर, ईडन का घर, यह महत्वपूर्ण क्षेत्र है। तो, दोस्तों, यहीं असीरिया है।

यहीं बिट एडिनी है। और इन सभी अरामी साम्राज्यों में से, यैदी, याचन, हत्तीना, हमात, कारकेमिश, ज़ोबा, दमिश्क, इन सभी अरामी राजनीतिक संस्थाओं में से, बिट अदिनी सबसे महान थी। इसलिए, जब बिट एडिनी गिर गई, तो मैं आपको बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बता सकता कि हमें इस विचार को कैसे खोना चाहिए कि प्राचीन आदिम थे।

वे आदिम नहीं थे. क्योंकि उनके पास सेलफोन नहीं थे, इसका मतलब यह नहीं कि वे आदिम हैं। सच तो यह है कि वे बहुत परिष्कृत थे।

वे जानते थे कि हमारी सारी सुख-सुविधाओं के बिना इस दुनिया में कैसे जीवित रहना है। और इसलिए, यहाँ वही हुआ जो हुआ। जब बिट एडिनी गिरी, जब वह गिरी, तो यहां की पूरी प्राचीन दुनिया को पता चला कि दुनिया संकट में है।

जब बिट एडिनी गिरी, तो यह एक युगांतकारी घटना थी, क्या आप इसके लिए तैयार हैं? इसने पूरे पश्चिम को उत्साहित कर दिया। पूरे पश्चिम ने मानचित्र को देखा और कहा, ये लोग इतने शक्तिशाली हैं कि हमारे पास एक ही रास्ता है कि हम एक विशाल गठबंधन बनाएं और उन्हें दक्षिण की ओर जाने से पहले ही रोकने की कोशिश करें। यह दुनिया का सबसे बुरा सपना है।

इसलिए, उसने पश्चिम की ओर अपना दबाव जारी रखा। बिट एडिनी गिर गई। उसने इसकी राजधानी तिल बार्सिप पर कब्ज़ा कर लिया और इसका नाम बदलकर कर-शलमनु - अशार्दो रख दिया।

तो अब हमारे पास एक ऐसी लड़ाई है जो उभरने वाली है जो प्राचीन काल की महान महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक है। और वह लड़ाई करकर की लड़ाई है। ठीक है, इसलिए हम अपने अगले ब्रेक से बहुत दूर नहीं हैं, धैर्य रखें।

तो यहाँ एक नक्शा है. यहाँ असीरिया है. यहाँ पर बिट एडिनी है।

यहां हर कोई जानता है कि जब बिट एडिनी गिरी, तो हर कोई जानता था कि कुछ करना होगा, नहीं तो वे सभी को नष्ट कर देंगे। इसलिए, उन्होंने एक गठबंधन बनाया। गठबंधन में महत्वपूर्ण और शक्तिशाली अरामी संस्थाएं, दमिश्क, हमात, अराम जैसे छोटे राज्य और इज़राइल, अहाब इज़राइली शामिल थे।

सियानु, अरवाड जैसी कम शक्तियां हैं। यहाँ अर्वाड है. लेकिन मुख्य शक्तियाँ, जैसा कि आप बता सकते हैं, दमिश्क, हमात, इज़राइल और इर्किनाडा हैं।

ठीक है, तो यह एक महान गठबंधन बन गया है। और इसके गठन का कारण यह था कि अब वे जानते हैं कि वे व्यक्तिगत रूप से असीरिया का सफलतापूर्वक विरोध करने में शक्तिशाली नहीं हैं। मैं आपको मेरे साथ संख्याओं पर ध्यान देने के लिए आमंत्रित करूंगा।

दमिश्क ने 20,000 पैदल सेना के साथ 1,200 रथों का योगदान दिया। हमात यहीं ऊपर है. हमात ने 700 रथों और 10,000 पैदल सेना का योगदान दिया।

ध्यान दें कि सबसे अधिक रथों का योगदान किसने दिया। अहाब इस्राएलियों ने 2,000 रथ और 10,000 पैदल सेना का योगदान दिया। जो हमें बता रहा है वह यह है कि यहां के सभी राजाओं में से, अहाब सबसे शक्तिशाली था, उसने इस लड़ाई में सबसे अधिक योगदान दिया था, इसलिए यदि हम आंकड़ों को जोड़ते हैं, तो 50,000 से अधिक पैदल सेना और 4,000 रथ हैं।

यह एक बड़ा सैन्य बल है. यदि शल्मनेसर से मिलने वाली सेना 50,000 से 60,000 पैदल सेना थी, और यदि यह वस्तुतः 4,000 रथ थी, तो यह दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी लड़ाई है। और इसका नेतृत्व इस्राएल के राजा अहाब ने किया था।

आपने देखा कि इस लड़ाई में यहूदा का कोई उल्लेख नहीं है। दक्षिणी साम्राज्य का उल्लेख नहीं है। अब, शायद इसलिए कि अहाब ने 4,000 रथों का योगदान दिया था, हो सकता है कि उनमें से कुछ रथ यहूदियों का योगदान हों, लेकिन यह ऐसा नहीं कहता है।

करकर की महान लड़ाई में हैं, और यहाँ करकार है। तो आखिरी बार, मैं बता दूँ, बिट एडिनी गिर गई है। 853 में, शल्मनेसर ने वही किया जो असीरियन राजा करते थे, वह बस अगले वर्ष, और अगले वर्ष, और अगले वर्ष लड़ने के लिए वापस आता है।

करकर की महान लड़ाई में शल्मनेसर से मुलाकात हुई, और ऐसा लगता है कि शल्मनेसर पैदल सेना और रथ दोनों में अधिक संख्या में था। इससे वह आश्चर्यचकित रह गया क्योंकि यह परिष्कृत है। इस तरह का गठबंधन एक साल के समय में नहीं बनाया जा सकता था।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह गठबंधन, अहाब, जो इसका नेता था, अहाब यहाँ सामरिया में था, इसमें कोई संदेह नहीं कि अहाब कई वर्षों से इस गठबंधन का निर्माण कर रहा था। यहां के वर्षों में, जब अशूरियों ने बिट अदिनी पर अपने हमले शुरू किए, तो मुझे लगता है कि अहाब ने इसे अच्छी तरह से देखा होगा और कहा होगा, हे भगवान, अगर हम कुछ नहीं करते हैं, तो हम अगले हैं। और इसलिए, इस तरह के सैन्य बल को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में इस गठबंधन को कई साल लग गए होंगे।

तो, हमारे पास प्राचीन काल में अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई है। एक सैन्य बल जिसमें लगभग 4,000 रथ, 60,000 पैदल सेना और लगभग 2,000 घुड़सवार सेना शामिल थी। मुझे पूरा यकीन है कि शल्मनेसर को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि इस तरह का गठबंधन इतनी जल्दी बनाया जा सकता है।

और इसलिए, इसने इस समय तक की दुनिया की सबसे बड़ी लड़ाई को जन्म दिया, अशूरियों और अहाब के लिए शल्मनेसर के नेतृत्व में एक लड़ाई, जो शायद गठबंधन का प्रमुख नेता था। खैर, लड़ाई हुई, और यदि आप लड़ाई की रिपोर्टों के बारे में जानते हैं, तो मैं इस खंड में पूर्वजों का मजाक उड़ाना पसंद करूंगा क्योंकि आखिरकार, राजाओं ने नियंत्रण किया, राजाओं ने प्रकाशन को नियंत्रित किया। तो, हम प्राचीन काल में देखते हैं, चाहे वह मिस्रवासी हों या हिती, चाहे वह बेबीलोनियाई हों या सुमेरियन, कोई भी राजा कभी युद्ध नहीं हारा।

हर लड़ाई एक जीत थी। और इसलिए, हमारे यहां एक बहुत बड़ी लड़ाई है। हमें कैसे पता चलेगा कि वास्तव में लड़ाई किसने जीती? क्योंकि आप राजाओं पर विश्वास नहीं कर सकते, वे झूठ बोलेंगे।

तो, हमारे पास यह सुझाव देने के लिए तीन तर्क हैं कि अशूरियों ने लड़ाई जीत ली। और इनमें से पहली तारीखों की एक श्रृंखला है जो मेरे सामने है, लगातार क्रम में तारीखों की एक श्रृंखला, तारीखों की एक श्रृंखला, जो सभी बाद के वर्षों का वर्णन करती हैं जिनमें असीरियन फिर से प्रकट हुए। तो, मेरे साथ ध्यान दें, असीरियन 849, 848, 845, 841 में गठबंधन से लड़ने के लिए वापस आए।

तो, जो हमें बता रहा है वह यह है कि 853 में, करकर की यह महान लड़ाई हुई थी, और शल्मनेसर द्वारा पश्चिम में लगातार पांच अभियान चलाए गए थे। ठीक है? इससे हमें पता चलता है कि असीरियन लड़ाई हार गए क्योंकि 853 से 849 तक चार से पांच साल होते हैं, और यह एक बहुत ही संभावित संकेत है कि असीरियन को अपने सैन्य बलों के पुनर्निर्माण के लिए उन वर्षों की आवश्यकता थी। आपको यह याद दिलाने की जरूरत है कि हमने खुद को, पूरी दुनिया को 1938, 1939, 1940 में भयानक चरम सीमा पर डाल दिया था, क्योंकि इसने यह मानने से ही इनकार कर दिया था कि दूसरा महान युद्ध होने वाला है।

यदि अमेरिकी सैन्य उत्पादन अद्वितीय नहीं होता और रूसियों की 10 या 20 मिलियन लोगों की सैन्य हानि झेलने की इच्छा नहीं होती, तो तैयारी की कमी के कारण द्वितीय विश्व युद्ध हार गया होता। आप एक वर्ष के भीतर एक साथ सैन्य बल नहीं जुटा सकते। और यहां अशूरियों को अपनी सेना का पुनर्निर्माण करने में चार साल लग गए क्योंकि, सबसे पहले, आपको खोए हुए घोड़ों को बदलने के लिए घोड़ों को सुरक्षित करना होगा।

फिर तुम्हें रथों के पुनर्निर्माण के लिए अपने देश में लोहा, पीतल और लकड़ी भी लानी होगी। आपने कुछ ही महीनों में एक रथ का पुनर्निर्माण नहीं किया। सबसे पहले, आपको लोहे का खनन करना था, फिर आपको लोहे को अंदर भेजना था, फिर आपको लोहे को पिघलाना था, और फिर आपको रथ बनाना था।

उस तरह की सभी चीजों को करने में वर्षों लग गए। और इसलिए, मेरे साथ ध्यान दें, बहुत संभव है कि अशूरियों को उनकी अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा, यह हार जो 853 में करकार में हुई थी। ठीक है? तथ्य यह है कि उन्हें वापस आने में चार साल और लग गए, यह एक संकेत है, मुझे लगता है, कि यह एक गंभीर सैन्य क्षति थी।

करकार के बाद आपकी लगातार चार लड़ाइयाँ एक ही गठबंधन के साथ हैं। इससे यह भी पता चलता है कि सीरियाई लोगों ने करकार को खो दिया। इतिहास में गठबंधन नाजुक चीजें हैं, और यदि वे काम नहीं करते हैं, तो वे अपेक्षाकृत जल्दी टूट जाते हैं।

यदि आप उस गठबंधन के बारे में बहुत कुछ पढ़ेंगे जिसने ब्रिटिश और फ्रांसीसी और रूसियों आदि के बीच द्वितीय विश्व युद्ध शुरू किया था, तो आप पाएंगे, यदि आप उस पर पढ़ेंगे, तो पूरे युद्ध के दौरान गठबंधन सहयोगियों के बीच लगातार तनाव बना हुआ था। गठबंधन नाजुक होते हैं, और इसलिए यह तथ्य कि यह गठबंधन 12 वर्षों तक एक साथ रहा है और पांच बड़ी लड़ाइयाँ लड़ता है, हमारे लिए एक सुझाव है कि गठबंधन काम कर रहा होगा, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि गठबंधन ने अशूरियों को करकार पर बहुत गंभीर झटका दिया है। खैर, मेरे नोट्स में, मेरे पास एक तीसरा सुझाव है, और यह थोड़ा अधिक विवादास्पद है, हालाँकि मुझे नहीं लगता कि यह वास्तव में विवादास्पद है।

तीसरी बात जो मैं आपको याद रखने के लिए आमंत्रित करता हूँ वह यह है कि यह विश्व के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई है। जब थुटमोस III अपने सैन्य बलों को मिस्र से लेकर फरात नदी तक ले गया और फिर उसे पार किया, तो सेना छोटी थी, शायद छह या आठ हजार लोग। केवल आधी सहस्राब्दी बाद, आपको 4,000 रथों के साथ 60,000 पुरुषों की सेना मिल गई है।

यह अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी लड़ाई है, और यहाँ मेरा कहना है। आश्चर्यजनक रूप से, इस लड़ाई का उल्लेख बाइबल में नहीं है। शायद बाइबल में इसका उल्लेख नहीं है क्योंकि अहाब ने लड़ाई जीत ली थी।

आप देखिए, अहाब ने सैन्यवाद को बढ़ावा दिया, और उसने, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, अंतर्राष्ट्रीयवाद को बढ़ावा दिया। और इसलिए, इस जोर के कारण, हम यह मुद्दा बना रहे हैं कि, संभवतः, बाइबिल के पाठ से लड़ाई को छोड़ दिया गया है क्योंकि अहाब ने लड़ाई जीत ली है क्योंकि बाइबिल चाहती है कि आप जानें कि अहाब की नीतियां काम नहीं करती थीं। वास्तव में, बाइबिल अहाब द्वारा लड़ी गई तीन अलग-अलग लड़ाइयों को दर्ज करती है, इसलिए ऐसा नहीं है कि पुराना नियम हमें योद्धा अहाब के बारे में बताने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन यह हमें करकर के बारे में नहीं बताता है।

इसके बजाय यह हमें अहाब की अशूरियों के साथ हुई लड़ाइयों के बारे में बताता है। और इसलिए, यह हमें यही बताता है। बस एक क्षण के लिए क्षमा करें।

ठीक है, शायद यह आपको इंगित करने लायक नहीं है, लेकिन जो मैं आपको दिखाना चाहता था वह अहाब के दमिश्क के अरामियों से लड़ने के बारे में एक ग्राफ है। और इसलिए, ठीक है, हम इसे छोड़ देंगे और दूसरे मानचित्र पर जाएंगे ताकि हम आपको दिखा सकें कि क्या हुआ था। तो, अहाब ने जो किया उसकी एक तस्वीर यहां दी गई है।

उसका एक शत्रु था, और वह शत्रु दमिश्क था। और इसलिए, यहाँ उत्तरी राज्य होगा, ठीक यहीं, और यहाँ दमिश्क है। और इसलिए, अहाब का दमिश्क के अरामियों के साथ एक असहज गठबंधन था, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे से काफी लड़ाई की।

इसलिए, अहाब अरामियों के खिलाफ लड़ाई लड़ता है क्योंकि उन्होंने इसराइल पर आक्रमण किया था, और भगवान अहाब से बात करते हैं और उसे बताते हैं कि वह यह लड़ाई जीतने जा रहा है, और वह जीतता है। लेकिन जब वह युद्ध जीतता है, तो अरामी लोग निष्कर्ष निकालते हैं, ठीक है, हमने एक धार्मिक गलती की है। हमने पहाड़ी देश पर आक्रमण किया, और उनके दृष्टिकोण से, जाफ़ा पहाड़ियों का देवता है।

इसलिए, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि वे लड़ाई हार गए क्योंकि भगवान पहाड़ियों के देवता हैं। इसलिए, उन्होंने दूसरी बार आक्रमण किया, और दूसरी बार में, वे दूसरी बार लड़ाई हार गए। और इसलिए, इस बार, वे एक और धार्मिक व्याख्या लेकर आए, और अहाब ने यह लड़ाई जीत ली।

और जब आप बाइबिल का विवरण पढ़ते हैं, अहाब जीतता है क्योंकि ईश्वर उसे जीतने में सक्षम बना रहा है। एक तीसरी लड़ाई है जो अहाब के बारे में दर्ज है, और इस लड़ाई में, अहाब यहूदा के साथ गठबंधन में है। इसलिए, याद रखें कि सामरिया यहाँ है, यहूदा यहाँ है, इसलिए अहाब ने दमिश्क के अरामी राजा के खिलाफ गठबंधन बनाया है।

इसलिए, अहाब युद्ध के लिए जाना चाहता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, राजाओं ने ऐसा किया। और उस ने अपने सब भविष्यद्वक्ताओंको इकट्ठे किया, और अपने नबियोंसे पूछा, क्या मैं युद्ध करने को चढ़ाई करूँ? खैर, एक बिल्कुल अच्छे रूढ़िवादी नाम वाला एक भविष्यद्वक्ता, जिसका नाम हनन्याह है, कहता है, युद्ध में जाओ, तुम जीतोगे। यहोशापात ने, जो यहूदा का राजा है, उस

से कहा, हां, क्या यहोवा का कोई भविष्यद्वक्ता नहीं है, जिस से हम पूछ सकें? अहाब कहता है, उन में से एक तो मेरे पास है, परन्तु मैं उसे पसन्द नहीं करता, क्योंकि जब भी वह भविष्यद्वक्ता करता है, बुरी बातें ही भविष्यद्वक्ता करता है।

अतः अहाब कहता है, अच्छा, उसे बाहर ले आओ, और वह मीकायाह भविष्यद्वक्ता से पूछता है, क्या मुझे युद्ध करने को जाना चाहिए? और मीकायाह कहता है, निश्चित ही, तुम जीतोगे। और अहाब हिब्रू बाइबिल के सबसे मजेदार स्थानों में से एक में मीकायाह को देखता है और उससे कहता है, सच बताने के लिए मुझे तुमसे कितनी बार कहना होगा? मीकायाह राजा अहाब की ओर देखकर कहता है, सत्य? तुम सच्चाई जानते हो? तुम मर जाओगे। खैर, वह सारी धार्मिक सामग्री पाठक को यह बात बताने के लिए डिज़ाइन की गई है कि यह सैन्य ताकत नहीं है, बल्कि यह इज़राइल का ईश्वर है जो जीत दिलाता है।

इसलिए, अहाब यहोशापात को अपने शाही वस्त्र पहनाकर अरामियों के विरुद्ध युद्ध में जाने के लिए तैयार करने में सफल हो जाता है। अहाब साधारण रथ शैली में तैयार होकर युद्ध में जाता है, और पाठ हमें बताता है कि एक अज्ञात अरामी तीरंदाज ने एक तीर चलाया, और भगवान ने तीर को अहाब के कवच में एक दरार की ओर निर्देशित किया, और अहाब स्वयं अपने रथ में खड़ा हो गया था ताकि उसका लोग यह नहीं सोचेंगे कि वह मर गया। और वहां इस महान सैन्य योद्धा की मौत हो गई, और संदेश यह है कि अहाब शल्मनेसर के अलावा अपने जीवनकाल का सबसे महान योद्धा था, लेकिन यह सब व्यर्थ था क्योंकि इज़राइल का भगवान यादृच्छिक रूप से छोड़े गए तीर को सीधे अहाब के कवच में निर्देशित कर सकता था, और वह, यह महान योद्धा, रथ में ही मर जायेगा।

ईश्वर के दृष्टिकोण से साक्ष्य सैन्य शक्ति पर अपना भरोसा न रखें। करकर, अहाब के लिए एक शानदार जीत थी, जिसका वस्तुतः इतिहास के दीर्घकालिक दौर के विरुद्ध कोई मतलब नहीं था। उन्होंने करकर की लड़ाई जीती।

वह अनंत काल के लिए युद्ध हार गया। जब हम इस टेप को समाप्त कर रहे हैं तो यह मुझे रुकने के लिए एक अच्छी जगह लगती है, जो आपको अशशूर की पूरी दुनिया को जीतने के लिए कठोर मार्च दिखा रहा है। हम इसे अगले टेप में जारी रखेंगे।

ध्यान देने के लिए आपको धन्यवाद।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 18 है, असीरिया का उदय।